ज़मीन एक स्लेट का नाम हैं — एकांत श्रीवास्तव

(1) अपनी तदर्थ सेवा समाप्त करके लेखक अपनी माँ के साथ बिलासपुर पहुँचा। रेलवे स्टेशन में छोटा भाई गुड्डू आया था। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

गुड्डु : भाई, मैं यहाँ हुँ। यात्रा कैसे हैं?
लेखक : ज़रा लंबी रहा।

.....

(2) अपनी शादी की तैयारियाँ देखकर दीदी का मन संघर्ष से भरा। वह अपना संघर्ष भाई से बाँटना चाहा। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

बहन : भाई, मुझे अब शादी नहीं चाहिए।
भाई : दीदी, क्यों? वह तो अच्छा परिवार हैं। इस तरह का संबंध....

.....

(3) अपनी बेटी की शादी की खर्च के बारे में पिताजी और लेखक बातचीत करती हैं। बाद में ज़मीन बेचने के बारे में सोचता है। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पिताजी : बेटा, शादी केलिए कुछ दिन हैं।
बेटा : हाँ पिताजी, मुझे मालुम हैं।

.....

(4) अपनी बेटी की शादी केलिए उस पिताजी ने ज़मीन बेचना चाहा। अखबार में छपने केलिए एक आकर्षक वार्तालाप तैयार करें।

(5) शादी केलिए ज़मीन बेचना चाहा तो कीमत बहुत कम मिलती है। ज़मीन के कीमत के बारे में पिताजी और खरीदनेवाले के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पिताजी : चार एकड़ ज़मीन हैं। वर्षों से खेती कर रहे है।
खरीदार : लेकिन आजकल खेती कौन करते हैं?

.....

(6) अपनी शादी केलिए पिताजी ज़मीन बेचने में विवश पडती हैं। इसमें दुःखी बेटी और पिताजी के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पिताजी : प्यारी बिटिया, तुम क्यों ईतनी दुःखी हैं।
बेटी : मुझे..अब..... यह शादी नहीं.....

.....

(7) घर में शादी की तैयारियाँ शुरु हुई। दीदी बहुत भावुक थी और बात-बात में रो पड़ती हैं। दीदी की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

12-7-2015 **शनिवार**

शादी का दिन आनेवाला हैं। केवल दो-चार दिन....

(8) अपनी शादी की तैयारियाँ और ज़मीन बेचने में विवश अपने पिताजी का तनाव दोनों देखकर दीदी का मन संघर्ष से भरा। अपनी मन का संघर्ष वह सहेली को पत्र के रूप में लिखना चाहा। वह पत्र लिखें।

छुटा,
15-4-2015

प्रिय जुही,

तुम कैसे हो? घर में माँ-बाप और भाई कैसे हैं? यहाँ शादी की तैयारियाँ शुरु.....

DO NOT COPY

(9) ज़मीन की रजिस्ट्री के पूर्व पिताजी ने लेखक से अपने साथ खेत जाने को कहा। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पिताजी : बेटा, मुझे अभी खेत तक जाना हैं।
बेटा : अभी! एक-दो दिन बाद जाएगा।

.....

(10)शादी और ज़मीन बेचने के संबंध में लेखक और दीदी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

दीदी : भाई, सुना है, पिताजी हमारे ज़मीन बेचते हैं।
लेखक : हाँ, कल रजिस्ट्री हैं।

.....

(11) ज़मीन की रजिस्ट्री के बाद पिताजी ने अपना मन का संघर्ष अपनी डायरी में लिखता है। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

18-4-2015 ***मंगलवार***

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ। आज मेरे ज़मीन का.....

(12) बेटी का विवाह के बाद कई वर्ष बीत गए। पिताजी अब अपना आत्मकथा लिखती है, जिसमें वह अपनी बेटी का विवाह और ज़मीन की विदाई के बारे में जिक्र करती है। वह आत्मकथांश तैयार करें।

दो विदाईयाँ

मेरे जीवन की दो विदाईयाँ-बेटी का और मिट्टी का.....

****

DO NOT COPY